

महासमुंद ज़िले में मलिा चत्तिरति शैलाशरय

चरचा में क्यौं?

हाल ही में छत्तीसगढ के महासमुंद ज़िला की बागबाहरा तहसील के अंतर्गत ग्राम मोहदी के नकिट महादेव पठार में एक **चत्तिरति शैलाशरय** की खोज की गई है ।

प्रमुख बदि

- इस शैलाशरय की खोज संस्कृतविभाग के उप-संचालक डॉ. पी.सी. पारस के नेतृत्व में पर्यवेक्षक प्रभात कुमार एवं उत्खनन सहायक प्रवीन तरिकी द्वारा की गई है ।
- इस शैलाशरय में **पुरातत्वीय महत्त्व के शैलचत्तिर** मलि हैं । इन शैलचत्तिरों में नृत्य करते मानव समूह, वानर, सूर्य और चंद्रमा सहति ज्यामत्तीय आकृतियाँ **लाल गेरुवे रंग से नरिमति** हैं ।
- यह महासमुंद ज़िले के अंतर्गत अब तक ज्ञात **पहला चत्तिरति शैलाशरय** है । यहाँ उपलब्ध शैलचत्तिरों के आधार पर इस क्षेत्र में मानव सभ्यता एवं संस्कृति की प्राचीनता मध्यपाषाण काल तक संभावति है ।
- उल्लेखनीय है कि महासमुंद ज़िले में सरिपुर और खल्लारी जैसे महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल पहले से ही वदियमान हैं । **सरिपुर को प्राचीन छत्तीसगढ की राजधानी** होने का गौरव भी प्राप्त है ।
- ज़िले के बरतियाभाठा से महापाषाणकालीन स्थल प्राप्त हुए हैं । इस क्रम में मोहदी के नकिट खोजा गया यह चत्तिरति शैलाशरय स्थल महासमुंद ज़िले के इतहास और पुरातत्त्व की दृष्टि से अब तक ज्ञात सबसे प्राचीन पुरास्थल माना जा सकता है ।